SCSP training on

DEMONSTRATION OF LEAF MEAL BASED FARM-MADE AQUA-FEED PREPARATION AND ON-FARM FEEDING MANAGEMENT

A 4-day (2-5th March, 2021) training was organized by ICAR-CIFE, Mumbai in collaboration with State Fisheries Department, Jharkhand at KVK Chatra, Jharkhand "Demonstration of Leaf Meal Based Farm- made Aqua-feed Preparation and On-Farm Feeding Management" for scheduled caste farmers of Kunda Block (Chatra), Jharkhand under SCSP programme. The training was inaugurated on 2'nd March, 2021 by Mr. Amrendra Kumar, DFO, Chatra, Jharkhand, Dr. Vinod Kumar Pandey, Dr. Dharma Oraon and Upendra Kumar Singh from KVK, Chatra and Dr. Sikendra Kumar, Dr. Dilip Kumar Singh, Scientists from ICAR-CIFE graced the inaugural programme. Deputy Commissioner, Chatra, Jharkhand interacted with the trainees. About 50 scheduled caste farmers of Kunda Block of Chatra district, Jharkhand attended the programme. Five lectures on composite fish culture, farm-made feed preparation, availability of local feed ingredients including leaf meals, pelleted feed preparation etc., and three practical on farm-made feed preparation, leaf meal based pellet feed preparation and feeding methods in composite fish culture system were demonstrated to the trainees during the programme. Dr. Sikendra Kumar interacted with the farmers on composite fish culture; locally available fish feed ingredients, scope of leaf meal as aqua-feed ingredient, feeding strategy and management, farm-made feed preparation & on-farm feeding strategies. Dr. Dilip Kumar Singh delivered the lectures on quality control of ingredients and aqua-feed, storage of ingredients and aqua-feed and water quality management. Farmers were also demonstrated about the use of cast net in the different water bodies. Cast nets were distributed to the 50 scheduled caste farmers on the last day on 5th March, 2021 of the training programme. The training was highly appreciated with good feedback from the trainees and it was published in 4-5 local newspapers such as -Hindustan, Dainik Jagran, Prabhat Khabar etc. Overall the training programme was highly successful.



Fig. 1: Inauguration of SCSP training programme on 2nd March, 2021 at KVK Chatra



Fig. 2: Glimpse of farmers participated in the SCSP training (2-5th March, 2021) at KVK, Chtara, Jharkhand



Fig.3: Respected Deputy Commissioner, Chatra (Jharkhand) interaction with the trainees



Fig.4: Distribution of cast nets to the farmers on last day of training 5th March, 2021



Fig.5: Farmers with cast nets



Fig.6: Demonstration of pelleted feed preparations to the farmers using a hand pelletizer

प्रशिक्षण के दूसरे दिन उपायुक्त ने कहा

मछली उत्पादन कर बन सकते हैं आत्मनिर्भर

प्रतिनिधि, चतरा

कृषि विज्ञान केंद्र में केंद्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान मुंबई व कोलकाता तथा मत्स्य विभाग के सहयोग से आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षण के दूसरे दिन बुधवार को डीसी दिव्यांशु झा पहुंचे. मौके पर डीसी ने कहा कि जिले में मत्स्य पालन के असीम संभावनाएं है. मत्स्य पालन से जुड़ कर आर्थिक रूप से मजबूत बन सकते हैं. कुषक मित्रों को हर संभव सहयोग किया जायेगा. वहीं जिला मत्स्य पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार ने पत्ती आधारित मत्स्य आहार व जल कृषि की जानकारी दी. शिक्षा संस्थान के वैज्ञानिक डॉ सिकेंद्र कुमार ने कहा कि मत्स्य आहार का उत्पादन किसान स्वयं कर सकते हैं. सरसों की खली, चावल की



मछली आहार की जानकारी लेते डीसी .

भूसा, मकई, सहजन, मटर के पत्ते का इस्तेमाल कर मछली का आहार बनायाँ जा सकता है. इसके अलावे वैज्ञानिक दिलीप कुमार ने पानी की गुणवता के बारे में जानकारी दी. प्रशिक्षण में केवीके के वैज्ञानिक धर्मा उरांव, इंजीनियर विनोद कुमार पांडेय, उपेंद्र कुमार सिंह, मो जुनैद आलम समेत कुंदा प्रखंड के 50 अनुस्चित जाति मत्स्य कृषकों ने भाग लिया.

Fig 7: Mass media coverage of the training

मछली पालन से आर्थिक विकास को मिलेगी गति संस, चतरा : कृषि विज्ञान केंद्र में चल रहे. चार दिवसीय प्रशिक्षण के दूसरे दिन बुधवार को उपायुक्त दिव्यांशु झा ने भाग लिया। प्रशिक्षण में उपायुक्त ने मछली पालन कर रोजगार के क्षेत्र की उपस्थिति में पांच में गति देने की बात कही। उन्होंने न सभा शुरू होगी और मत्स्य कृषकों को मतस्य विभाग से क सभी पंचायतों में पूरा । सूचना एवं जनसंपर्क संपंक कर विभागीय योजनाओं का लाभ लेने के प्रति जागरूक किया। बयान जारी कर इसकी यहां बता दें कि केंद्रीय मत्स्य शिक्षा ते। सूचना एवं जनसंपर्क संस्थान, मुंबई एवं कोलकाता केंद्र डीसी के हवाले से कहा और मत्स्य विभाग के सं तत्वावधान में मत्स्य कृषकों संयुक्त सभा से पारित योजनाओं स्तर पर समायोजित की चार दिवसीय प्रशिक्षण चल रहा है। र उसके बाद प्राथमिकता प्रशिक्षण में जिले के कुंदा प्रखंड के हुए अधिक उपयोगी अनुसूचित जाति के 50 मत्स्य कृषक भाग ले रहे हैं। को शासी निकाय की बैठक न की जाएगी।

Fig 8: Mass media coverage of the training